॥ श्रीः ॥

सीतास्वयम्बर नाटक।

अर्थात्-धनुषयज्ञ।



गंगाविष्णु श्रीकृष्णदास,

लक्ष्मीवेंकटेश्वर छापाखाना,

कल्याण-मुंबई.